INSTITUTE OF ADVANCE STUDIES IN EDUCATION

Bilaspur (Chhattisgarh)

BERLINER'S Stages of Development of a Teacher

Presented By:

Dr. Vidya Bhushan Sharma

Lecturer

I.A.S.E. , Bilaspur (C.G.)

BERLINER'S Stages of Development of a Teacher

David C. Berliner

डेविड बर्लिनर के शिक्षक विकास के स्तर

शिक्षक विकास के 5 स्तर

Novice Level (नौसिखिया स्तर)

Advanced Noice Level (उन्नत शुरुवात स्तर)

Effective level (सक्षम स्तर)

Expert Level (प्रवीण स्तर)

Master level (विशेषज्ञ स्तर)

Novice Level (नौसिखिया स्तर)

महारत हासिल करने का पहला चरण नौसिखिया चरण है। इस बिंदु पर व्यक्ति का कार्य मौलिक अवधारणाओं और कार्रवाई के विशिष्ट नियमों के साथ–साथ विशिष्ट उद्देश्य तथ्यों को पहचानना सीखना है। भावी शिक्षकों को एक पेशेवर शिक्षक होने के बारे में एक सिंहावलोकन प्राप्त करना चाहिए। वे कुछ प्रारंभिक कौशल विकसित करना शुरू करते हैं, एक प्रारंभिक शब्दावली प्राप्त करते हैं, और कुछ प्रारंभिक विचार प्राप्त करते हैं कि शिक्षण क्या है। इस चरण के अंत में उनकी प्रारंभिक समझ अभी भी अधूरी है। यह इरादा नहीं है कि इस चरण के अंत तक उनके पास पेशे की स्पष्ट दृष्टि होगी और उस समय तक कक्षा का प्रभार लेने के लिए जटिल कौशल नहीं होना चाहिए। हालांकि, यह उम्मीद की जाती है कि छात्र एक संज्ञानात्मक मानचित्र या एक संज्ञानात्मक मानचित्र का एक टुकड़ा विकसित करना शुरू कर देंगे जो एक पेशेवर शिक्षक होने का अर्थ है।

अधिकांश पूर्व–सेवा शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों में विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम शामिल होते हैं जिनका उपयोग शिक्षा के क्षेत्र में परिचय प्रदान करने के लिए किया जाता है।
निम्नलिखित कुछ उदाहरण हैं:

मनोविज्ञान की मूल बातें
मानव विकास और विकास
शिक्षा में महत्वपूर्ण और समकालीन मुद्दों की जांच
विविधता पर सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टिकोण की खोज
शैक्षणिक मनोविज्ञान
कार्यस्थल के लिए कंप्यूटर टेक

Novice Level (नौसिखिया स्तर)

* छात्र अनुशासन और कक्षा प्रबंधन पर ध्यान केन्द्रित करता है ।
* नियंत्रण की कमी महसूस करता है ।
* छात्रों को दोष देकर हल करता है ।
* नियम के अनुसार काम करता है ।
* HOR
* प्रशंसा करना ।
* तार्किक व्यवहार

Who Teaches

What Teaches

Whom Teaches

Where Teaches

Advanced Noice Level (उन्नत शुरुवात स्तर)

प्रक्रिया में दूसरा चरण उन्नत शुरुआती चरण है। उन्नत शुरुआती चरण में, पूर्व–सेवा शिक्षक तथ्यों के अपने ज्ञान को जोड़ रहे हैं, वे पहले से अपरिभाषित तथ्यों को पहचान रहे हैं, शिक्षण–सीखने की प्रक्रिया के सापेक्ष अधिक जानकारी प्राप्त कर रहे हैं, प्रासंगिक शब्दावली, अवधारणाओं और सिद्धांतों के अपने ज्ञान को बढ़ा रहे हैं। जैसे ही वे उन्नत शुरुआती चरण में जाते हैं, वे यह समझना शुरू कर देते हैं कि उन्हें उस बिंदु तक जो सिखाया गया है वह एक पेशेवर शिक्षक के रूप में कार्य करने के लिए आवश्यक समझ के एक बहुत ही जटिल सेट का एक अच्छा पहला अनुमान है।

यह चरण आपके स्नातक कार्यक्रम में आपके विकास को जारी रखता है और आपके प्रमुख में 300– और 400–स्तरीय पाठ्यक्रम शामिल करता है। आपका स्नातक प्रशिक्षण एक छात्र शिक्षण अनुभव के साथ समाप्त होता है। हालांकि, उन्नत शुरुआती चरण के माध्यम से आगे बढ़ने के लिए केवल कॉलेज पाठ्यक्रम पूरा करने से कहीं अधिक की आवश्यकता होती है। योग्यता के अगले चरण में सफलतापूर्वक आगे बढ़ने के लिए, कक्षा के अनुभव की काफी मात्रा की आवश्यकता होती है। अर्थात्, कोई व्यक्ति सामान्य रूप से एक महत्वपूर्ण मात्रा में व्यावहारिक शिक्षण–अधिगम अनुभव के बिना एक सक्षम पेशेवर नहीं बन सकता है। अकेले कॉलेज की कक्षाएं लेने से कोई पेशेवर शिक्षक नहीं बन जाता है; शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में संलग्नता होनी चाहिए। इस कारण से लगभग सभी शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम छात्रों को प्रशिक्षण अवधि के दौरान विभिन्न प्रकार के क्षेत्रीय अनुभव प्रदान करते हैं। यह एक पेशेवर शिक्षक बनने का एक महत्वपूर्ण घटक है।

व्यवहार (व्यस्क और छात्र दोनों में) पैटर्न देखने के लिए शुरु होता है ।

नियमों द्वारा निर्देशित

संदर्भ गाईड के अनुसार कार्य

छात्र प्रदर्शन एवं अन्य कारकों जैसे घर, टीवी, पूर्व अनुभव को दोषी ठहराता है ।

Effective level (सक्षम स्तर)

तीसरा चरण योग्यता है, जिस बिंदु पर एक व्यक्ति सक्षम होता है वह अपने वांछित क्षेत्र में योग्य हो जाता है। शिक्षकों के लिए, इसका आम तौर पर मतलब शिक्षा में स्नातक की डिग्री पूरी करना और प्रारंभिक प्रमाणन आवश्यकताओं को पूरा करना है। योग्यता वास्तव में वह न्यूनतम स्तर है जो व्यक्तियों को एक पेशेवर शिक्षक के रूप में कार्य करने के लिए प्राप्त करना चाहिए। इस स्तर पर व्यक्ति अधिक संदर्भ-मुक्त सिद्धांतों और अवधारणाओं के साथ-साथ स्थितिजन्य तत्वों को पहचानने लगा है। दूसरे शब्दों में, शिक्षक को अवधारणाओं और सिद्धांतों की कुछ समझ होती है जो अधिकांश शिक्षार्थियों के लिए विभिन्न स्थितियों और अन्य सिद्धांतों और अवधारणाओं में होती है जो केवल विशिष्ट स्थितियों में लागू होती हैं। इस चरण के उत्तरार्ध में, व्यक्ति समस्या को हल करने की क्षमता हासिल करना शुरू कर देता है।